an>

Title: Need to protect the interests of sugarcane farmers and workers in Deoria District, Uttar Pradesh.

श्री रविन्दर कुशवाहा (सलेमपुर) ः मेरे संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत देवरिया जनपद (उत्तर प्रदेश) के प्रतापपुर में स्थित बजाज ग्रुप की चीनी मिल को वहां के प्रबंधन द्वारा हमेशा के लिए बन्द कर देने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। इस क्रम में प्रबंधन द्वारा कर्मचारियों को वी.आर.एस. लेने का नोटिस जारी कर दिया गया है। इसके चलते मिल कर्मचारियों, गन्ना किसानों और जनप्रतिनिधियों में व्यापक आक्रोश है और पिछले माह से ही धरना-प्रदर्शन का दौर चल रहा है। देवरिया जनपद की पांच चीनी मिलों में से एक भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के उपक्रम बी.आई.सी. द्वारा संचालित गौरी बाज़ार की चीनी मिल करीब दो दशक से बन्द है। इसी तरह उत्तर प्रदेश राज्य चीनी निगम द्वारा संचालित भटनी, देवरिया तथा बैतालपुर की चीनी मिलें लगभग तीन साल से बंद पड़ी हैं। निजी क्षेत्र की प्रतापपुर चीनी मिल जिले की एकमात्र चालू चीनी मिल थी। ऐसी हालत में इसके बंद हो जाने पर इस जिले का गन्ना उद्योग चौपट हो जाएगा और गन्ना किसान तथा बेरोज़गार किए जाने वाले चीनी मिल मजदूर बदहाली के शिकार हो जाएंगे, क्योंकि गन्ना ही यहां के किसानों की एकमात्र नकदी फसल थी।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि वह उत्तर प्रदेश सरकार से समन्वय स्थापित करके गन्ना किसानों तथा मिल मजदूरों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करें।